

शीतकालीन अवकाश हेतु गृह कार्य

कक्षा पाँचवी विषय हिंदी

1)प्यारे बच्चों मुझे मालूम है आप सभी को कहानी , गीत या कविता सुनना बहुत अच्छा लगता है। घर के सदस्य या बड़ों से गीत, कविता या कहानी सुनो ।आप उस कहानी ,गीत या कविता को याद करो और जब हम छुट्टियों के बाद फिर से विद्यालय में आएँगे तो आप कक्षा में वह गीत, कविता या कहानी सुनाना।

सुर , लय ताल की कोई चिंता न कीजिए।

2)अपनी हिंदी की पुस्तक में से कोई कविता या कहानी अपने बड़ों को सुनाओ। पढ़ी हुई कहानी के बारे में पसंद, नापसंद बताओ इसमें आपको क्या अच्छा लगा? और क्यों अच्छा लगा ?यह भी बताओ।

3)अपने मन की बात कह डालिए _

आप कक्षा में किस तरीके से पढ़ना चाहते हो या अपने 'सपनों का विद्यालय'अपने विचार लिखिए।

4)क्या आपने कभी सोचा है?

अगर नहीं सोचा तो अब सोचिए. और लिखिए _

सब जगह मौसम अलग-अलग क्यों है ?

श्रीनगर में इतनी ठंड है तो दक्षिण भारत में इतनी ज्यादा ठंड क्यों नहीं है? ऐसा क्यों है जरा सोचिए और लिख डालिए ।वर्तनी की अशुद्धियों पर ज्यादा ध्यान न दीजिए ।

5)क्या छपा है ?

आपके घर में खाने का कुछ न कुछ सामान तो पैकेट में ज़रूर आता होगा ।आप बड़ों की मदद से खाने के सामान पर लिखा पढ़ने की कोशिश करें। खासकर वह कब बना है ?और कब तक उसका सेवन किया जा सकता है गलत पढ़ने पर घबराएँ नहीं। बड़ों से पूछिए क्या लिखा है? अब जो आप नहीं पढ़ पाए उस अक्षर शब्द या वाक्य की पहचान कीजिए। देखिए वह अक्षर, शब्द, वाक्य आपके आसपास उपलब्ध लिखित सामग्री में कहाँ है ?

6) अपनी पसंद की पुस्तक पढ़ें। जरूरी नहीं कि आप पुस्तक खरीदें। आप घर में मौजूद पुस्तक पढ़ सकते हैं। अपनी बहन-भाइयों की पुस्तक पढ़ सकते हैं या फिर ऑनलाइन भी पढ़ सकते हैं। एन.सी.ई.आर.टी. की वेबसाइट से आप अपनी पसंद की कहानी पढ़ सकते हैं।

7) बातचीत करना

परिवार के सदस्यों से अलग-अलग विषयों पर बातचीत करो। उनसे सवाल पूछो। अपने आसपास घट रही घटनाओं के बारे में, पढ़ाई के बारे में। जैसे आपका सबसे पसंदीदा विषय कौन सा है? यह विषय आपको क्यों पसंद है?

आपको बचपन में सबसे ज्यादा पसंद और ना पसंद क्या काम थे? और क्यों? क्या आपको भी बचपन में डाँट पड़ती थी? और अगर डाँट पड़ती थी तो क्यों? आपका स्कूल कैसा था? आपकी सबसे पसंदीदा अध्यापक कौन थे? और क्यों?

8) प्रतिदिन हिंदी की पुस्तक में से एक पृष्ठ अवश्य पढ़ें।

9) अब कुछ पक्षियों के लिए

प्यारे बच्चों प्रकृति प्रेम ही सच्चा ईश्वर प्रेम है। हमें पशु पक्षियों से प्रेम करना चाहिए। पेड़ पौधों से प्रेम करना चाहिए। आप अपने घर में तिनके, सुतली, धागा, या जो भी बेकार सामान है उस से बड़ों की मदद लेकर पक्षी के लिए घोंसला तैयार कीजिए। पक्षियों के लिए पानी अवश्य रखिए अपने मनपसंद पक्षी का चित्र बनाओ या चिपकाओ। उसके बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखो।

10) संतुलित आहार के महत्व और उसकी कमी से होने वाली बीमारियों के बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखो।

विशेष_

मेरा बचपन, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की यात्रा, न्याय, तीन मछलियाँ, ये हमारे कला मंदिर सभी बच्चे इन पाठों की अच्छे से पुनरावृत्ति करेंगे अभ्यास प्रश्न अच्छे से याद करेंगे। विलोम शब्द, शब्दों के लिंग बदलना, वचन बदलना, संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया शब्द, विशेषण, पर्यायवाची शब्द, समानार्थी शब्द, द्वित्व शब्द, वाक्यांश के लिए एक शब्द, इन सभी की अच्छे से दोहराई करेंगे। अच्छे से याद करेंगे।

प्यारे बच्चों आप ठंड से अपने आप को बचाएँगे । गर्म कपड़े अच्छे से पहनेंगे।
खान-पान का विशेष तौर पर ध्यान रखेंगे । बड़ों का कहना मानेंगे और आप सभी
एक पतली कॉपी में यह गृह कार्य करेंगे।